पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

कैंसर पर विजय पाने वाले 86 वर्षीय डाॅ0 यतीश अग्रवाल को राज्यपाल ने किया सम्मानित
कैंसर इलाज के शोध में बहुत प्रगति हुई है - श्री नाईक

लखनऊः 2 अप्रैल, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज राजभवन में कैंसर रोग पर विजय प्राप्त करने वाले 86 वर्षीय डाॅ0 यतीश चन्द्र अग्रवाल को उनके जन्म दिवस पर अंग वस्त्र, पुष्प गुच्छ व अपनी पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' की हिन्दी प्रति देकर सम्मानित किया। डाॅ0 यतीश अग्रवाल इस उम्र में भी लखनऊ कैंसर इंस्टीट्यूट में काम करते हैं तथा उन्होंने केवल 7 दिन के लिए सर्जरी के समय पर अवकाश लिया था। डाॅ0 अग्रवाल 1990 में जी0एस0वी0एम0 कालेज, कानपुर से विभागाध्यक्ष के पद से सेवानिवृत्त हुये हैं तथा तब से निरन्तर विभिन्न चिकित्सा संस्थाओं में अपनी सेवायें दे रहे हैं। श्री अग्रवाल का जन्म 2 अप्रैल, 1932 में हुआ था।

राज्यपाल ने उन्हें शतायु होने की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कैंसर इलाज के शोध में बहुत प्रगति हुई है। चिकित्सक और विशेषज्ञ स्वयं को नये अनुसंधानों के ज्ञान से परिपूर्ण रखें। दवा के साथ मन में विश्वास जगाने से रोगी में शक्ति का निर्माण होता है। मन का विश्वास कैंसर रोगी के लिए दवा का एक हिस्सा है। रोगी और परिजनों की दृढ़ इच्छाशक्ति से कैंसर पर विजय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि लोगों की शुभकामनाओं से भी रोगी को संबल मिलता है।

श्री नाईक ने बताया कि बताया कि 1994 में उन्हें कैंसर रोग हुआ था। टाटा अस्पताल के चिकित्सकों के परीक्षण के बाद कैंसर रोग का पता चला, मगर उचित देखभाल और परिवार एवं शुभचिंतकों के संबल से मिली दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण वे कैंसर रोग पर विजय प्राप्त कर सके। उपचार के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 नरसिम्हा राव, पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी, वरिष्ठ राजनेता श्री लालकृष्ण आडवाणी सहित अनेक शुभचिंतकों ने समय-समय पर उनसे मिलकर उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि रोग से डरने नहीं बल्कि मुकाबला करने की जरूरत है। इस अवसर पर राज्यपाल की प्रमुख सचिव सुश्री जूथिका पाटणकर, कैंसर एड सोसायटी की निदेशक सुश्री नेहा त्रिपाठी, एस0जी0पी0जी0आई0 के डाॅ0 अनिल अग्रवाल, डाॅ0 यतीश अग्रवाल के परिजन व संस्था के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

अंजुम/ललित/राजभवन (131/3)